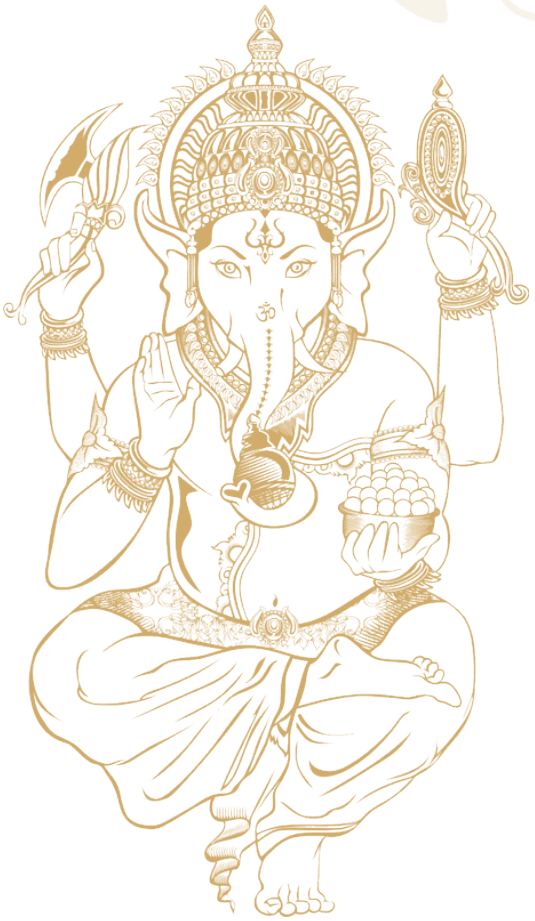

LUVKESH CHHABRA

Prachi chhabra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121745504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/11/1992	जन्म तिथि	2-03/12/1984
सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 12:56:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 15:54:36	जन्म समय(घटी)	46:21:16 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Nainital
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:23:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	79:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:12:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:09	सूर्योदय	06:50:06
17:35:51	सूर्यास्त	17:13:14
23:45:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:38:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 9मा 25दि	13:55:44	मक	लग्न	कन्या	07:29:15	शनि 3वर्ष 2मा 24दि
गुरु	16:22:20	तुला	सूर्य	वृश्चि	17:11:41	शुक्र
29/08/2023	15:34:30	मक	चंद्र	मीन	14:23:47	27/02/2012
29/08/2039	29:34:16	मिथु	मंगल	मक	19:14:35	27/02/2032
गुरु 16/10/2025	09:50:59	वृश्चि	बुध	धनु	06:49:15	शुक्र 29/06/2015
शनि 28/04/2028	10:52:52	कन्या	गुरु	धनु	21:17:23	सूर्य 28/06/2016
बुध 04/08/2030	22:41:59	वृश्चि	शुक्र	धनु	28:54:02	चन्द्र 27/02/2018
केतु 11/07/2031	18:18:36	मक	शनि	तुला	27:58:39	मंगल 29/04/2019
शुक्र 11/03/2034	28:38:42	वृश्चि व	राहु	वृष	03:45:20	राहु 29/04/2022
सूर्य 28/12/2034	28:38:42	वृष व	केतु	वृश्चि	03:45:20	गुरु 28/12/2024
चन्द्र 28/04/2036	20:57:54	धनु	हर्ष	वृश्चि	19:58:23	शनि 27/02/2028
मंगल 04/04/2037	22:46:04	धनु	नेप	धनु	06:45:06	बुध 28/12/2030
राहु 29/08/2039	28:35:56	तुला	प्लूटो	तुला	09:54:06	केतु 27/02/2032

लग्न-चलित

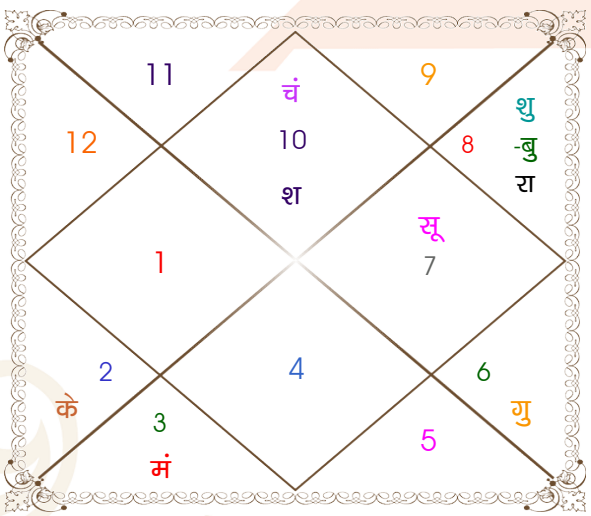

लग्न-चलित

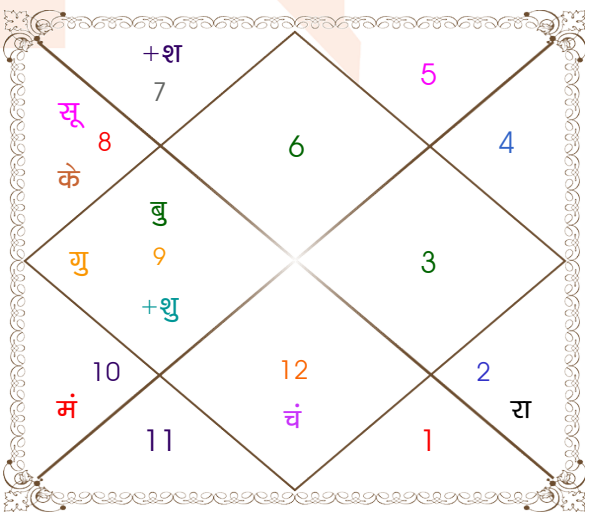

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

LUVKESH CHHABRA का वर्ग मार्जार है तथा Prachi chhabra का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार LUVKESH CHHABRA और Prachi chhabra का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

LUVKESH CHHABRA मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Prachi chhabra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

LUVKESH CHHABRA तथा Prachi chhabra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।